Shri Surasuranandacharya Ashtakam

श्रीसुरसुरानन्दाचार्याष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Surasuranandacharya Ashtakam

File name : surasurAnandAchAryAShTakam.itx

Category : deities_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc_deities_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 8, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीसुरसुरानन्दाचार्याष्टकम्

रामानन्दाचार्यशिष्यं चानन्दभाष्यस्य शिक्षकम् ।
वन्दे सुरसुरानन्दं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १॥

सीतारामञ्जनेयानां पूजकं जनपूजितम् ।
वन्दे सुरसुरानन्दं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २॥

सर्वेश्वरस्य रामस्य कथाकीर्त्तनतत्परम् ।
वन्दे सुरसुरानन्दं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३॥

वादिहस्तिमृगेन्द्रं च सिद्धेन्द्रं सिद्धसेवितम् ।
वन्दे सुरसुरानन्दं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४॥

रामानन्दकुलोत्तंसं धर्मरक्षणदीक्षितम् ।
वन्दे सुरसुरानन्दं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५॥

भक्तिभागीरथीं दत्त्वा पापिनामपि मुक्तिदम् ।
वन्दे सुरसुरानन्दं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६॥

संस्कारैः पञ्चभिश्चाथ वैष्णवत्वविधायकम् ।
वन्दे सुरसुरानन्दं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७॥

ज्ञापकं सद्रहस्यानां योगीन्द्रं तपसां निधिम् ।
वन्दे सुरसुरानन्दं द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८॥

इति श्रीसुरसुरानन्दाचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on December 8, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*